甘肃省华亭市 2022—2023学年度第二学期抽考试题（卷）

八年级语文

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 题 号 | 一 | 二 | 三 | 总 分 | 总分人 |
| 得 分 |  |  |  |  |  |

|  |  |
| --- | --- |
| 得 分 |  |
| 评卷人 |  |

**一、积累与运用。（1—5题各2分，6—7题各3分，第8题9分，共25分）**

1．下列词语中加点字注音完全正确的一项是（ ）

A．解剖pāo 畸形qí 捕获bǔ B．阔绰chuò 摹画mó 脊背jī

C．锃亮zèng 胆怯qiè 栖息qī D．朔方sù 召唤zhāo 迸射bèng

2．下列词语中没有错别字的一项是（ ）

A．凛冽 咆哮 土偶木梗 胜气凌人 B．驰聘 蜿蜒 拖泥带水 生生不息

C．苍茫 姮娥 哄哄烈烈 浩浩荡荡 D． 馈赠 憔悴 鸣锣开道 纹丝不动

3．下列句子中加点词语使用正确的一项是（ ）

A．长期以来，日本一些右翼分子一直妄图抹杀日军侵华的种种罪行，这让每一个有良知的中国人的胸中都感到义愤填膺。

B．在第49届世乒赛上，中国乒乓球队来势汹汹，一举包揽了五项比赛的冠亚军。

C．美军在伊拉克虐待战俘的一幅幅骇人听闻的照片在网络上披露后，大家纷纷对美军的暴行予以谴责。

D．在人类历史的长河中，曾经出现过许多杰出人物。他们中有叱咤风云的政治家，有决胜千里的军事家，有博学睿智的科学家，还有给人类奉献宝贵的精神食粮的文学艺术家。

4．下列关于文学常识表述有误的一项是（ ）

A．《列夫·托尔斯泰》选自奥地利作家茨威格的传记《三作家》。

B．《海燕》是俄国作家高尔基《春天的旋律》的开头一章，原题为“海燕之歌”。

C．《浪之歌》《雨之歌》的作者是黎巴嫩文坛骄子纪伯伦。

D．《喂——出来》的作者是“日本微型小说的鼻祖”星新一。

5．你会背诵《二十四节气歌》吗？请选择其中四个节气，写在下面横线上。

6．下面两个句子各有一处语病，请将正确的表述写在横线上。

（1）命运之神给他的第一个惊喜首先是找到了一份称心的工作。

（2）为迎接“世界读书日”，学校开展了“我爱读书”，同学们都积极参加。

7．仿写句子，要求句式相同，语意连贯。

没有阳光的普照就没有大地的温暖；

没有雨露的滋润就没有五谷的丰登；

；

。

8．按原文填空。

（1）《赤壁》诗中运用议论，直接对历史结局作出自己评判的诗句是：

（2）《过零丁洋》中体现诗人的民族气节，舍生取义的决心的诗句是：

（3）《水调歌头》中化用李白《把酒问月》诗：“青天有月来几时，我今停杯一问之”的句子是：

（4）《行路难（其一）》中诗人以形象化语言，写世途艰难的句子是：

（5）唐代诗人岑参在《白雪歌送武判官归京》诗中描写塞外奇特风光，被誉为“千古名句”的是：

（6）《己亥杂诗》中表现诗人虽然辞官离京，却不畏挫折，不甘消沉，始终都要为国家效力的坚强性格和献身精神的诗句是：

|  |  |
| --- | --- |
| 得 分 |  |
| 评卷人 |  |

**二、阅读与理解。（共45分）**

（一）文言文阅读。（共15分）

（甲）阅读下文，回答问题。（10分）

醉翁亭记

欧阳修

环滁皆山也。其西南诸峰，林壑尤美，望之蔚然而深秀者，琅琊也。山行六七里，渐闻水声潺潺而泻出于两峰之间者，酿泉也。峰回路转，有亭翼然临于泉上者，醉翁亭也。作亭者谁？山之僧智仙也。名之者谁？太守自谓也。太守与客来饮于此，饮少辄醉，而年又最高，故自号曰醉翁也。醉翁之意不在酒，在乎山水之间也。山水之乐，得之心而寓之酒也。

若夫日出而林霏开，云归而岩穴暝，晦明变化者，山间之朝暮也。野芳发而幽香，佳木秀而繁阴，风霜高洁，水落而石出者，山间之四时也。朝而往，暮而归，四时之景不同，而乐亦无穷也。

至于负者歌于途，行者休于树，前者呼，后者应，伛偻提携，往来而不绝者。滁人游也。临溪而渔，溪深而鱼肥，酿泉为酒，泉香而酒洌，山肴野蔌，杂然而前陈者，太守宴也。宴酣之乐，非丝非竹，射者中，弈者胜，觥筹交错，起坐而喧哗者，众宾欢也。苍颜白发，颓然乎其间者，太守醉也。

已而夕阳在山，人影散乱，太守归而宾客从也。树林阴翳，鸣声上下，游人去而禽鸟乐也。然而禽鸟知山林之乐，而不知人之乐；人知从太守游而乐，而不知太守之乐其乐也。醉能同其乐，醒能述以文者，太守也。太守谓谁？庐陵欧阳修也。

9．本文的作者欧阳修是 代文学家。（1分）

10．解释下列加点词在句中的意思。（2分）

（1）泻出于两峰之间（ ） （2）游人去而禽鸟乐（ ）

11．欧阳修寄情山水，诗酒山林，除享受山水之乐外，还具有怎样的深意？（2分）

12．“前者呼，后者应，伛偻提携，往来而不绝”描写的是滁人出游的场面。通过这个场面，你能感受到什么？（2分）

13．欧阳修尽管被贬滁州，仍能有所作为。请结合自己生活实际，谈淡你从中得到的启示。（3分）

（乙）阅渎下文，回答问题。（5分）

六一居士传（节选）

欧阳修

六一居士初谪滁山，自号醉翁。既老而衰且病，将退休于颍水之上，则又更号六一居士。客有问曰：“六一，何谓也？”居士曰：“吾家藏书一万卷，集录三代以来金石遗文一千卷，有琴一张，有棋一局，而常置酒一壶。”客曰：“是为五一尔，奈何？”居士曰：“以吾一翁，老于此五物之间，是岂不为六一乎？”客笑曰：“子欲逃名②者乎？而屡易其号。……”居士曰：“吾固知名之不可逃，然亦知夫不必逃也；吾为此名，聊以志吾之乐尔。”

【注释】①颍水：地名。②逃名：不求名声，避名而不居。

学校 班级 姓名 考场 考号 座位号

14．“屡易其号”中“屡”的意思是： 。（1分）

15．“六一居士”中“六一”具体指什么？（2分）

16．欧阳修为什么在“既老而衰且病”的境况下将自己的号更为“六一居士”？（2分）

（二）课内现代文阅读。（共10分）

云南的歌会

沈从文

云南本是个诗歌的家乡，路南和迤西歌舞早闻名全国。这一回却更加丰富了我的见闻。

这是种生面别开的场所，对调子的来自四方，各自蹲踞在松树林子和灌木丛沟凹处，彼此相去虽不多远，却互不见面。唱的多是情歌酬和，却有种种不同方式。或见景生情，即物起兴，用各种丰富譬喻，比赛机智才能。或用提问题方法，等待对方答解。或互嘲互赞，随事押韵，循环无端。也唱其他故事，贯穿古今，引经据典，当事人照例一本册，滚瓜熟，随口而出。在场的既多内行，开口即见高低，含糊不得，所以不是高手，也不敢轻易搭腔。那次听到一个年轻妇女一连唱败了三个对手，逼得对方哑口无言，于是轻轻地打了个吆喝，表示胜利结束，从荆条丛中站起身子，理理发，拍拍绣花围裙上的灰土，向大家笑笑，意思像是说，“你们看，我唱赢了”，显得轻松快乐，拉着同行女伴，走过江米酒担子边解口渴去了。

这种年轻女人在昆明附近村子中多的是。性情开朗活泼，劳动手脚勤快，生长得一张黑中透红枣子脸，满口白白的糯米牙，穿了身毛蓝布衣裤，腰间围个钉满小银片扣花葱绿布围裙，脚下穿双云南乡下特有的绣花透孔鞋，油光光辫发盘在头上。不仅唱歌十分在行，而且大年初一和同伴各个村子里去打秋千（用马皮做成三丈来长的秋千条，悬挂在高树上），蹬个十来下就可平梁，还悠游自在，若无其事！

17．沈从文是中国现代乡土文学的集大成者，代表作有散文《湘西》，长篇小说《长河》，中篇小说《 》等。（1分）

18.在文段中找出你喜欢的词语（至少4个）抄写在下面，并陈述理由。（2分）

19.在对歌的场面中作者对云南女子进行了细致的描绘，文段中运用了几种描写手法，表现出云南女子怎样的特点。（3分）

20.请写出你所居住的地区出名的地方戏曲，并写出著名的曲目。（2分）

21.你最喜欢哪首民歌，请写出其中的一段歌词。（2分）

（三）课外现代文阅读。（共20分）

感悟春天

（1）江南的春天，总是在浙浙沥沥的春雨中悄悄来临，“杏花春雨江南”，这是上了名诗之册的。历数我经历的几十个春天，总是乍暖还寒，需要反反复复冲破凛冽的西风和反攻的寒流才降临人间，因此春光很金贵。春光也往往只能在雨中窥视，总在不经意中，便进入了初夏的境地，常常令人生出春光难觅的感慨。

（2）珍爱春天，是热爱生活的一种执著。这也是对照冬天的岁月，有比较而有鉴别的一种实际行动，虽然说冬天的寒冷对于世界，是净化，是考验，是生命的再生前提和生活的新生要素；这也是一种反衬和折射：没有竖冰，谁去认可红梅的烂漫？没有白雪，谁去评判青松的高洁？但是那似乎是哲学的命题和诗人的想象。只有春天才是大众的，才是为伟人和凡人、诗人和农人共同承认和赞美的。

（3）谁不承认春天是美好的？“遇物尽欢欣，爱春非独我”，诗人白居易就是这样说的。翻翻一部唐诗吧，那里面尽有李白、杜牧、韩愈、李贺们对春的感慨。摆着道学面孔的人们，是不是不咏唱春天呢？北宋理学家程颢写下了《春日偶咸》，还成了《千家诗》的第一首。朱熹更是有名的“老夫子”，他面对朗朗春光、盈盈春意，也吟唱了“等闲识得东风面，万紫千红总是春”的《春日》诗。和尚是讲究四大皆空的佛门子弟，也不能不被春天打动“凡心”。南宋的志南和尚写下了这样的诗句：“沾衣欲湿杏花雨，吹面不寒杨柳风。”在中国的古诗中，可以看出诗人们从各个角度歌唱春天，为春风、春雨、春草、春柳、春鸟、春游、春宵、春眠等尽情歌唱，进而从欣赏春天写到珍惜春光。

（4）品味春色，沐浴春光，可以感受生活，感悟人生。这可以说是古今中外，概莫能外。“闺中少妇不知愁，春日凝装上翠楼。忽见陌头杨柳色，悔叫夫婿觅封侯。”如果这位生在封建时代的女子奈何不了这种生活的话，那么现代的那位美国哲人桑塔耶那则更有甘愿为春天俘虏的意味了。这先生长期在哈佛教书，50岁那年的春日，有一天在讲台上，偶有知更鸟飞来，立在窗格子上，他注意到了，感受到了又一个春天的到来。他回过头来，对学生们说，我与阳春有约！便冲出教室，开始了他云游欧洲大陆之行。

（5）生命四季，是我们每个人都共有的，而春天更能开qǐ人们的感情之源，心灵之泉，难怪首次在甲骨文里露面的形声字就是“春”，难怪古人殷殷切切地寄语他的友人“若到江南赶上春，千万和春住”。居住在大观园中的史湘云更是大声疾呼：“且住，且住，莫使春光别去！”可是事实上春光难永驻，有来必有去，谁也挡不住“流水落花春去也”的结局。不管是落花有意，还是流水无情，都表现了时间之易shì的自然迹象，但是精神上的青春，意志里的春色，进取中的春光，则当常驻于有志人和奋斗者的岁月年华里！

22．根据第（5）段内容写字、解释加点的词。（4分）

开qǐ（ ） 易shì（ ） 难驻（ ） 别去（ ）

23．读第（1）段，你感到在作者的笔下，江南的春天有什么特点？（2分）

24．用一句话概括第（3）段的内容。（2分）

25．第（3）段中白居易的诗句“遇物尽欢欣，爱春非独我”与朱自清的散文《春》有异曲同工之妙。说说《春》是怎样具体体现这两句诗的意境的？（3分）

26．第（4）段画线句子中的“这”具体指什么？（2分）

27．第（4）段中那位封建时代的女子和那位现代美国哲人桑塔耶那面对同样的春天，心态却明显不同。请借助文中“悔”和“冲”两个词分析他们各自的心态。（2分）

学校 班级 姓名 考场 考号 座位号

28．作者从春天里得到了怎样的人生感悟？（用文中的话回答）（3分）

29．照第（2）段画线句子仿写。（2分）

没有坚冰，谁去认可红梅的烂漫？没有白雪，谁去评判青松的高洁？

|  |  |
| --- | --- |
| 得 分 |  |
| 评卷人 |  |

**三、写作与表达。（共50分）**

30．阅读下面材料，按要求作文。（50分）

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

一个养蚌人来到海边，认真地在沙滩上挑选沙粒，并且问那些沙粒是否愿意变成珍珠。沙粒们都对变成珍珠表现了极大的兴趣，但对呆在寒冷、阴暗而又潮湿的蚌壳里又怕得要死。当养蚌人告诉它们要变成珍珠就避免不了与孤独、寂寞为伍时，沙粒们一个个选择了离开。他已记不清遭到了多少颗沙粒的拒绝，几乎就要放弃了，终于有一颗沙粒答应了他。

别的沙粒都嘲笑这颗沙粒是傻子，可都没有动摇这颗沙粒的决心。几年过去了，这颗小沙粒长成了光彩照人、价值连城的珍珠。那些曾经嘲笑过它的伙伴，仍还是沙粒，有些甚至已经不知道被风吹到哪里去了。

读完上面的材料，你有怎样的联想和感悟呢?请联系生活实际，写一篇不少于600字的文章。角度自选，立意自定，题目自拟，诗歌、戏剧除外。

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

